

करेंट अफेयर्स 17 June 2025

माकारियोज तृतीय के आदेश का ग्रैंड क्रॉस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस की ऐतिहासिक यात्रा के दूसरे दिन निकोसिया स्थित राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत मिला। उन्होंने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ माकारियोज III' से सम्मानित किया – जो कि साइप्रस गणराज्य का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

पवन ऊर्जा वृद्धि

कर्नाटक ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में सबसे अधिक पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ने का रिकॉर्ड बनाया – 1,331.48 मेगावाट। इसके बाद तमिलनाडु (1,136.37 मेगावाट) और गुजरात (954.76 मेगावाट) रहे। यह पुरस्कार ग्लोबल विंड डे 2025 के अवसर पर बेंगलुरु में प्रदान किया गया। राज्य की कुल स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता अब 7,351 मेगावाट हो गई है। सरकार ने 17 गीगावाट अतिरिक्त परियोजनाओं की योजना बनाई है, जिनमें से 5 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्लस्टर कार्यक्रम के अंतर्गत होंगी। भारत वर्तमान में वैश्विक पवन ऊर्जा उत्पादन में चौथे स्थान पर है, जिसकी स्थापित क्षमता 51.5 गीगावाट है। भारत 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य रखता है, जिसमें से 100 गीगावाट पवन ऊर्जा से होगा।

पहला साइबर सुरक्षा ऑपरेशन सेंटर

महाराष्ट्र स्टेट कोऑपरेटिव बैंक (MSC बैंक) ने सहकारी बैंकों के लिए देश का पहला समर्पित साइबर सुरक्षा केंद्र 'सहकार सुरक्षा' शुरू किया है। यह केंद्र वाशी, नवी मुंबई में स्थित है और इसकी स्थापना ₹50 करोड़ के निवेश से की गई है।

नाइट्रोकेप्ट - 2025 फूड प्लैनेट पुरस्कार

नाइट्रोकेप्ट ने 2025 का फूड प्लैनेट पुरस्कार जीता, जो विश्व का सबसे बड़ा पर्यावरण पुरस्कार है। यह तकनीक जीवाश्म-रहित, स्थानीय रूप से उत्पादित हरित उर्वरक प्रदान करती है। इसने खाद्य सुरक्षा, उत्सर्जन और वैश्विक निर्भरता के मुद्दों के बीच जलवायु-लचीले समाधानों पर वैश्विक ध्यान केंद्रित किया।

कंचुरिया त्रिपुराensis और प्रियशंकारी (नए केंचुए की प्रजातियाँ)

त्रिपुरा में दो नई केंचुए की प्रजातियाँ खोजी गई हैं – कंचुरिया त्रिपुराensis और कंचुरिया प्रियशंकारी। संरक्षण कार्यकर्ताओं ने काली टाइगर रिजर्व में पर्यटन को लेकर चिंता जताई है।

पोटुलाका भारत (नया पुष्पीय पौधा)

पोटुलाका भारत नामक एक नई पुष्पीय पौधा प्रजाति जयपुर, राजस्थान के पास अरावली की चट्टानी और अर्ध-शुष्क पहाड़ियों में पाई गई है। इसमें असामान्य शारीरिक विशेषताएँ हैं।

काली टाइगर रिज़र्व

काली टाइगर रिज़र्व, जिसे पहले डांडेली-अंशी टाइगर रिज़र्व के नाम से जाना जाता था, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में स्थित है। यह 834.16 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है और इसमें डांडेली वन्यजीव अभयारण्य और अंशी राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं।

वैली फीवर

वैली फीवर, जिसे एक्यूट कोक्सीडियोइडोमायकोसिस भी कहा जाता है, एक कवकीय संक्रमण है जो कोक्सीडियोइड्स जीवाणु से होता है। यह बीमारी मिट्टी में पाए जाने वाले दो प्रकार के कवकों से होती है और अमेरिका, मैक्सिको, मध्य और दक्षिण अमेरिका के विशेष क्षेत्रों में पाई जाती है। हाल की एक रिपोर्ट में कुत्तों की सहायता से इसकी प्रारंभिक पहचान करने की संभावना बताई गई है।

आचल फास्ट पेट्रोल पोत

आचल फास्ट पेट्रोल वेसल (FPV) भारतीय तटरक्षक बल के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाए जा रहे आठ जहाजों की श्रृंखला में पाँचवां है। इसमें 60% स्वदेशी सामग्री है, इसकी लंबाई 52 मीटर और चौड़ाई 8 मीटर है, और इसका भार 320 टन है।

लंबी दूरी की हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल (ET-LDHCM)

भारत अपनी सबसे उन्नत स्वदेशी हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल ET-LDHCM का परीक्षण करने की तैयारी कर रहा है। यह 'प्रोजेक्ट विष्णु' के अंतर्गत DRDO द्वारा विकसित की गई है और इसे भूमि, समुद्र या वायु से प्रक्षेपण के लिए डिज़ाइन किया गया है।

रेडियो नेल्लिकका

केरल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (KeSCPCR) बच्चों के लिए एक विशेष इंटरनेट रेडियो स्टेशन 'रेडियो नेल्लिकका' शुरू करेगा।

रिंडरपेस्ट वायरस

आईसीएआर-एनआईएचएसएडी, भोपाल को WOAHA और FAO द्वारा पेरिस में आयोजित 92वीं महासभा के दौरान श्रेणी A रिंडरपेस्ट होल्डिंग सुविधा के रूप में मान्यता दी गई है।

नक्शा कार्यक्रम

नक्शा (NAKSHA) – National Geospatial Knowledge-Based Land Survey of Urban Habitations – शहरी भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण हेतु एक तकनीकी पहल है। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग द्वारा विकसित किया गया है। इसमें सर्वे ऑफ इंडिया, MPSeDC और NICS I भागीदार हैं।

भारत के रजिस्ट्रार-जनरल

भारत के रजिस्ट्रार-जनरल और जनगणना आयुक्त (RGI) देश भर में जनगणना और नागरिक पंजीकरण का संचालन करते हैं। यह पद वर्तमान में गृह मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव स्तर के वरिष्ठ सिविल सेवक के पास है। जनगणना 2027 की तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं।

शिपकी ला पास

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में 3,930 मीटर की ऊंचाई पर स्थित शिपकी ला एक मोटेबल उच्च-ऊंचाई पर्वतीय दर्रा है। यह भारत-चीन सीमा का हिस्सा है और यहाँ से सतलुज नदी भारत में प्रवेश करती है। इसे पहले 'पेम ला' कहा जाता था।